यूके इंडिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव (यूकेआईईआरआई) कार्यशाला

संभावित आवेदकों को चालू वर्ष के लिए यूकेआईईआरआई आवेदन प्रक्रिया को समझने और मदद करने के लिए संस्थान ने 19 सितम्बर, 2017 को एक यूके इंडिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव (यूकेआईईआरआई) के प्री-बिड वर्कशॉप का आयोजन किया गया। लखनऊ, यू.पी. और अन्य राज्यों के कई संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों वे वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों, और शोध विद्वानों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने एक व्यक्ति/संस्था के रूप में भारत और यूके सहयोग के बीच अवसरों पर जानकारी प्राप्त की और आवेदन और विकास प्रक्रिया को समझा। ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली से श्रीमती दीप्ति सिंह ने कार्यशाला में कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रस्तुत की और उद्देश्य, मील का पत्थर, परिणाम और वित्तीय घटकों सहित प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को भी समझाया। सीआईएसआईआर-आईआईटीआर के चीफ साइंटिस्ट डॉ डी. कार चौधुरी ने यूकेआईईआरआई प्रमुख अनुसंधान परियोजना पुरस्कार विजेता के रूप में अपना अनुभव साझा किया। सीएसआईआर-आईआईटीआर के निदेशक प्रोफेसर आलोक धावन ने श्रीमती दीप्ती सिंह द्वारा प्रदान की गई जानकारी और ब्रिटिश काउंसिल की पहल की सराहना की। उन्होंने भारत-ब्रिटेन विश्वविद्यालय/संस्थान के बीच अपना अनुभव और दीर्धकालिक सहयोग साझा किया और प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

उद्घाटन समरोह के दौरान प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर (मध्य में), सुश्री दीप्ति सिंह, ब्रिटिश कांउसिल (दाएं) एवं डॉ डी. कार चौधुरी, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईटीआर (बाएं)।

सुश्री दीप्ति सिंह, ब्रिटिश कांउसिल का अभिनंदन करते हुए प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर।

कार्यशाला प्रगति में